कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाएँ :

किसान मित्र योजना

क्र.सं.	कार्यमद	देय अनुदान रुपये में	अभ्युक्ति
1.	कृषक मित्र प्रशिक्षण	नि:शुल्क प्रशिक्षण	प्रत्येक किसान मित्र को खरीफ-रबी में तीन-तीन दिन तथा जायद में दो दिन का प्रशिक्षण।
2.	उन्नतशील बीज व्यवस्था	25 प्रतिशत अनुदान	धान 12 किग्रा. तथा गेहूँ 20 किलोग्राम प्रति मित्र कृषक

केन्द्र पुरोनिधानित स्कीम ऑफ प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मेकेनाइजेशन

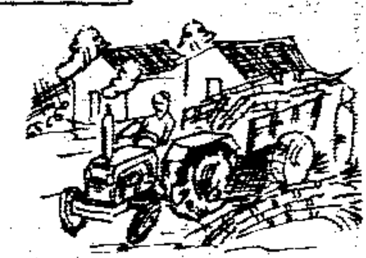

1. इस योजना में जनपद में ऐसे कृषक पात्र होंगे जिनके पास पूर्व में ट्रैक्टर न हो।
2. लघु/सीमान्त कृषकों के 22.5% लाभार्थी अनुसूचित जाति के हों।
3. इसके लिये जुलाई माह में आवेदन किया जा सकता है।
4. कृषकों के आवेदन पत्र प्राप्त होने के उपरान्त जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा चयन कार्य किया जाता है।
5. प्रति लाभार्थी 3000 रु० का अनुदान प्रति ट्रैक्टर अनुमन्य है।

मृदा (भूमि) परीक्षण

भूमि परीक्षण क्यों ? :- प्रत्येक पौधा/फसल की उचित ढंग से बढ़ने-फलने-फूलने के लिए पोषक तत्वों की जरूरत होती है। नाइट्रोजन (नत्रजन), फासफोरस एवं पोटाश मुख्य पोषक तत्व हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि अमुक फसल के लिए कौन-कौन से पोषक तत्व चाहिए और उनकी भूमि में कितनी मौजूदगी है।

किसानों को समय-समय पर खेतों की मिट्टी की जाँच कर यह निश्चय कर लेना चाहिए कि अपने खेत से जो फसल लेने जा रहे हैं, उसकी भरपूर पैदावार के लिए कौन-कौन से उर्वरक कितनी मात्रा में डालें। इस प्रकार उचित मात्रा में व संतुलित रूप से उर्वरक डालने से खर्च तो कम होगा ही पैदावार भी भरपूर मिलेगी।

भूमि (मिट्टी) की जाँच कब करायें ? -

(1) जब भूमि में नमी कम हो।

(2) फसल की कटाई हो जाने अथवा परिपक्व खड़ी फसल में अथवा फसल बोने से एक-डेढ़ माह (30-45 दिन) पहले।

(3) प्रत्येक तीन वर्ष में फसल मौसम शुरू होने से पहले एक बार।

कैसे करायें ? (मिट्टी नमूना लेने की विधि) -

(1) एक एकड़ क्षेत्र में लगभग 8-10 स्थानों से 15 सेमी० के 'V' आकार के गहरे गड्ढे बनायें अथवा 15 सेमी० लम्बा, 15 सेमी० चौड़ा, 15 सेमी गहरा खोदकर मिट्टी बाहर फेंक दें। फिर गड्ढे की एक दीवार से ऊपर से नीचे तक लम्बवत् एक पतली खुरपी से मिट्टी काटकर साफ कपड़े पर रखकर हर स्थानों से एकत्र मिट्टी को मिलायें।

(2) मिट्टी के ढेर को 4 बराबर भागों में बाँटकर, आमने-सामने के दो हिस्सों की मिट्टी रखकर बाकी फेंक दें।

(3) अब इस मिट्टी को साये में रखकर सुखा लें।

(4) लगभग ½ किलो सूखे हुए मिट्टी के नमूने को कपड़े की थैली में भरकर नाम/खेत संख्या/फसल का नाम/किसान का नाम एवं पता लिखकर मृदा परीक्षण प्रयोगशाला (जिला स्तर/खंड स्तर पर अथवा चन्द्रभान गुप्त कृषि महाविद्यालय, बक्शी का तालाब, लखनऊ को प्रेषित करें।)